भा. कृ. अनु. प. – राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर
ICAR - National Soybean Research Institute, Indore

सोया कृषकों के लिए साप्ताहिक सलाह (2026)
Weekly Soybean Advisories for for Soybean Growers (2026)

फा.क्र./File No. टेक 10-6/2026 खरीफ 2026

File. No. Tech 10-6/2026/Weekly Soybean Advisory **Date: 17.08.2026**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (17-23 अगस्त 2026 / 17th-23rd August 2026)

अ. **रोग प्रबंधन:** वर्तमान स्थिति में सोयाबीन फसल पर निम्नलिखित 3 प्रमुख रोग देखे जा रहे हैं. अतः सोया कृषकों को रोगों के लक्षण एवं नियंत्रण के उपाय अपनाने हेतु निम्नलिखित जानकारी दी जा रही हैं. **Diseaase Control:** Three major diseases are reported to have infestation in soybean crop at this stage. Information on their identification and control measures is given for its adoption by the soya farmers.

1.	एन्थ्राक्नोज रोग के प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाझोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिडकाव करें. In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.	 **एन्थ्राक्नोज** के लक्षण
2.	रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह हैं कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक फ्लुक्सापग्रोक्साड + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्नोसीकोनाजोल (750 मिली/हे) का अपने फसल पर छिडकाव करें.	
	Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) OR immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.	
3.	पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फ़ैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्ख/एफिड की रोकथाम हेतु थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिडकाव करें. **इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है** .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.	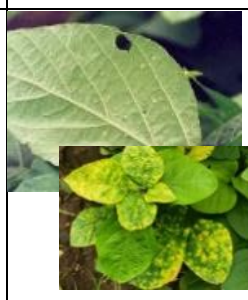

	For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). **This will also facilitate control of stem fly.** Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vectors of YMV/SMV respectively.	

ब. कीट प्रबंधन: वर्तमान स्थिति में सोयाबीन फसल पर हरी सेमीलूपर इल्ली, तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली, तना मक्खी समेत कई कीटों का प्रकोप देखा जा रहा हैं. अतः सोया कृषकों को कीटों की पहचान कर नियंत्रण के उपाय अपनाने हेतु निम्नलिखित जानकारी दी जा रही हैं. **Insect Control:** Three major diseases are reported to have infestation in soybean crop at this stage. Information on their identification and control measures is given for its adoption by the soya farmers.

1.	**तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे)** का छिडकाव करें. वैकल्पिक रूप से कृषकगण स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) **या** इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), **या** फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे.) **या** फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली/हे .) **या** इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), **या** क्लोरफ्लूआजुरोन % 05.40EC (500 मिली./हे) **या** नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) **या** ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे),) का भी छिडकाव कर सकते हैं . For the control of **Tobacco caterpillar (*Spodoptera litura*), farmers are advised to apply the spray of Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha)**. Alternatively farmers are advised to spray Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) **OR** Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) **OR** Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), **OR** Chlorfluazuron 05.40% EC (500 ml/he) **OR** Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha).	
2.	**सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण हेतु क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे)** का छिडकाव करें. वैकल्पिक रूप से कृषकगण इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), **या** फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) **या** फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) **या** इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), **या** लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) **या** प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) **या** नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) **या** क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) **या** ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), का भी छिडकाव कर सकते हैं .	
	For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha). Farmers also have an option of spray with Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) **OR** Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), **OR** Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) **OR** Profenofos 50 % EC (1 l/ha) **OR** Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha).	

3.	**चने की इल्ली** के नियंत्रण हेतु फसल पर **इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.)** का छिडकाव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे.) **या** फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली/हे .) **या** क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मि.ली./हे), **या** इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे).	
	Attack of *Helicoverpa* (**Gram Pod Borer**) has been reported in some part of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of **Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha)**. Alternatively, farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) **OR** Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha).	
5.	**बिहार हेयरी कैटरपिलर** एवं टस्क मोथ का प्रकोप होने पर झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियो को प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं फसल पर ***फ्लूबेंडियामाइड 20WG (250-300 ग्रा/हे)*** ***या*** ***फ्लूबेंडियामाइड 39.35 SC (150 मिली/हे)*** या लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 04.90 % CS (300 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) छिडकाव करें . In case of an attack of **Bihar hairy caterpillar as well as Tusk Moth**, farmers are advised to remove the affected plant and apply spray of Flubendiamide 20 WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 SC (150 ml/ha) OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80%EC (333 ml/ha).	
6.	सोयाबीन फसल में **तना मक्खी एवं सफ़ेद मक्खी** के नियंत्रण हेतु लक्षण दिखाई देने पर बाजार में उपलब्ध पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. @125 मिली./हे. या पूर्वमिश्रित कीटनाशक बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) का छिड़काव करें.	
	In case of infestation of **stem fly and white,** farmers are advised to apply the spray of Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha **OR** Betacyfluthrin + Imidacloprid @350 ml/ha **OR** Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V) DV @600 ml/ha immediately after the symptoms are noticed.	

स. एक से अधिक कीटों के नियंत्रण हेतु उपयुक्त कीटनाशक का छिडकाव

1.	पत्ती खाने वाली तीनों इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) के एक साथ नियंत्रण हेतु **स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450** मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी (150 मिली/हे) या पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली/हे) का छिडकाव करें. In such areas where having infestation of all the three defoliators (green semilooper, tobacoo caterpillar and heliothis), it is advised to spray the crop with either one of the insecticides like **Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) OR** Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) **OR** pre mixed formulation of Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).	

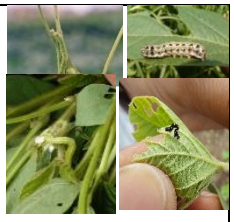

2.	पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) **तथा** रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड **एवं** तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), का छिडकाव करें. In such areas where having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) **OR** Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha).	

सामान्य सलाह / General advisory

1.	वर्तमान में देखि जा रही सूखे/अतिवर्षा की स्थिति को ध्यान में रखकर 50-60 दिन की फसल में सलाह हैं की फसल पर देखे जा रहे/आने वाले समय में फफूंदजनित रोगों के नियंत्रण हेतु सुरक्षात्मक रूप से अनुशंसित फफूंदनाशक फ्लुक्सापग्रोक्साड + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 ग्रा/हे) का छिडकाव करें. यह भी विशेष सलाह हैं कि छिडकाव के लिए क्रेप्सैक स्प्रयेर से प्रति हेक्टेयर 500लीटर पानी तथा ट्रेक्टर चालित पॉवर स्प्रयेर से न्यूनतम 200 ली. पानी का उपयोग करें. Farmers are advised to apply preventive spray of recommended fungicides like Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) considering the prevailing dry spell or continuous rains experienced in some area. However, they are requested to use adequate quantity of water for spray solution ie. 500 l/ha for knapsack sprayer and minimum of 200 l/ha in case of tractor drawn power sprayers.	
2.	सूखे की स्थिति में भूमी में दरारे पड़ने से पूर्व ही अनुसार स्प्रिंकलर, टपक सिंचाई या परंपरागत विधियों से सिंचाई करें. In case of long dry spell, farmers are advised to apply irrigation (preferably by sprinkler/drip or conventional method) before the cracks are developed in the soil.	
3.	जून माह के दुसरे/तीसरे सप्ताह में बोई गयी कम समयावधि की सोयाबीन फसल में कृषकों को सलाह है कि चूहें द्वारा फलियों के अन्दर दाने खाने से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु प्रबंधन के उपाय अपनाये. इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखे. In areas where sowing of short-duration soybean varieties was done in Second/Third week of June, farmers having are advised to manage the yield loss caused due to feeding of rats on tender pods. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Flocoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.	
4.	बीजोत्पादन वाले खेत में शुद्धता बनाये रखने के लिए फूलों के रंग एवं पौधों/पत्तियों/तने पर पाए जाने वाले रोये के अधर पर भिन्न किस्मों के पौधों को अपने खेत से निष्कासित करें. Farmers are advised to carry out roughing (removal of off-type plants belonging to other varieties) in order to maintain seed purity. This can be done based in flower color or pubescence found on the plant/leaves/pods/stem.	

5.	जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें. In case of continuous/excessive rainfall, drainage arrangement is recommended to avoid the crop damage due to waterlogging.	
6.	अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये. Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.	
7.	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	
8.	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (खरपतवारनाशक/कीटनाशक/फफूंद नाशक) को अनुशंसित मात्रा में ही प्रयोग करें तथा छिडकाव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रयेर 450-500 लीटर/हे या ट्रेक्टर चालित पॉवर स्प्रेयर से 120-150 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of pesticides along and adequate water while spraying the pesticides (450-500 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120-150 l/ha for power sprayer).	
9.	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो . While purchasing any Agri-input, always obtain a *pucca bill* from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	
10	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.	
	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फ़सल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-NSRI. This may cause damage/losses to the crop.	

****